भाग – क

अध्ययय 1

भूगोल एक विषय के रूप में

पृथ्वी हमारा घर, यहाँ चारों ओर अलग–अलग तत्व दिखाई देते हैं जिनमें मृदा, वनस्पति, मैदान, पहाड़, नदियाँ, मौसम, सूर्य का प्रकाश, घर, सड़क, अस्पताल, खेत, पार्क, स्कूल, उद्योग, ऑफिस, व्यापारिक संस्थान आदि। इनमें से कुछ तत्व प्रकृति के अंक है, जबकि कुछ का निर्माण प्रकृति के सहयोग से मानव ने किया है। प्रकृति के तत्वों को प्राकृतिक तत्व कहते हैं, जबकि मानव द्वारा निर्मित तत्वों को मानवीय तत्व या साँस्कृतिक तत्व कहते हैं।

प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों में यह अन्तर क्यों उत्पन्न हुआ ? पृथ्वी पर इन तत्वों का प्रतिरूण कैसा है? इनकी व्यवस्था के पीछे क्या कारण–कार्य संबंध है? इनकी जानकारी हमें भूगोल (Geography) में मिलती है।

(Geography) (भूगोल) शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम ग्रीक विद्वान इरेटॉस्थेनीज़ ने (276–194 ई0पू0) ने किया था।

Geography शब्द ग्रीक भाषा के दो मूल शब्दों Geo (पृथ्वी) तथा Graphqs (वर्णन करना) से बना है। इसका शाब्दिक अर्थ 'पृथ्वी का वर्णन' करना है। अर्थात् भूगोल, पृथ्वी का वर्णन करता है। यह पृथ्वी के भौतिक वातावरण तथा मानवीय क्रियाओं के बीच अन्र्तप्रक्रियात्मक रिश्तों की जानकारी देता हैं।

(अति लघुउत्तरीय प्रश्न)

प्रश्न 1 हमें भूगोल विषय का अध्ययन क्यों करना चाहिये? बतलाइये।

उत्तर 'भूगोल' का अध्ययन अति आवश्यक है क्योंकि :–

1. भूगोल के अध्ययन से हमें मानव समाजों में पायी जाने वाली विभिन्नता का समझने में आसानी होती है। जिससे वैश्विक शान्ति और भाई–चारे की भावना बलवती होती है।
2. भूगोल हमको विविधता को समझने तथा स्थान (Space) व समय (Time) के संदर्भ में ऐसी विभिन्नताओं को पैदा करने वाले कारकों की तलाश करने की योग्यता देता है।
3. भूगोल मानचित्र के जरिये वास्तविक पृथ्वी को जानने और धरातल पर विभिन्न तत्वों के दृश्य ज्ञान की कुशलता विकसित करता है।

www.atpeducation.com

4. भूगोल में आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों जैसे :– भौगोलिक सूचना तंत्र (GIS), संगणक मानचित्र–कला (Computer Cartography), दूर संवेदन (Remote Sensing) के अध्ययन से ज्ञान और कुशलता को प्राप्त करने तथा राष्ट्रीय विकास में सहयोग करने की दक्षता प्रदान की है।

5. विश्व में व्यापार–वाणिज्य में वृद्धि के साथ प्रशासन चलाने, भ्रमण व पर्यटन को बढ़ावा देता हैं।

www.atpeducation.com

प्रश्न.2 'भूगोल' (Geography) का शाब्दिक अर्थ क्या है?

उत्तर– 'भूगोल' ग्रीक भाषा के दो शब्दों Geo (पृथ्वी) तथा Graphos (वर्णन करना) से बना है अर्थात् इसका शाब्दिक अर्थ 'पृथ्वी' का वर्णन करना है।

प्रश्न.3 Geography शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया था?

उत्तर– 'इरेटॉस्थनीज' नामक ग्रीक विद्वान ने 232 ईस्वी पूर्व Geography शब्द का प्रयोग किया था।

प्रश्न.4 किस प्रश्न ने भूगोल को एक वैज्ञानिक विषय के रूप में स्थापित करने में मदद की?

उत्तर– 'क्यों' प्रश्न ने भूगोल को एक वैज्ञानिक विषय के रूप में स्थापित किया।

प्रश्न.5 भूगोल के दो प्रमुख उपागम कौन से है?

उत्तर– 1) क्रमबद्ध उपागम
2) प्रादेशिक उपागम

प्रश्न.6 भूगोल की दो मुख्य शाखाएँ कौन सी है?

उत्तर– 1) भौतिक भूगोल
2) मानव भूगोल

प्रश्न.7 'रिचर्ड हार्टशोर्न' ने भूगोल को किस प्रकार परिभाषित किया?

उत्तर– ''भूगोल का उद्देश्य धरातल की प्रादेशिक/ क्षेत्रीय भिन्नता का वर्णन एवं व्याख्या करना है।''

प्रश्न.8 प्रकृति व मानव के बीच अर्न्तप्रक्रियात्मक संबंधों से किस प्रकार के मानव के दर्शन होते हैं?

उत्तर– 1) प्रकृति प्रभावित मनुष्य

2) मानवीकृत प्रकृति

प्रश्न.9 प्रकृति एवं मानव के बीच अन्र्तसंबंध कैसे स्थापित हुए?

उत्तर– 1) अनुकूलन (Adaptation)

2) आपरिवर्तन (Modification)

प्रश्न.10 भूगोल में अर्थशास्त्र व जनांकिकी विषयों के अंतरापृष्ठ (Interface) कौन से है?

उत्तर– 'अर्थशास्त्र' का अंतरापृष्ठ आर्थिक भूगोल तथा 'जनांकिकी' का अंतरापृष्ठ जनसंख्या भूगोल।

प्रश्न.11 भूगोल में 'दर्शन' के दो अंग कौन से है?

उत्तर– 1) भौगोलिक चिंतन

2) मानव पारिस्थितिकी

प्रश्न.12 भूगोल का अध्ययन किस प्रकार के जीवन मूल्यों का विकास करता है?

उत्तर– भूगोल का अध्ययन मनुष्य मे निम्न जीवन मूल्यों का विकास करता हैः–

1. विश्वबन्धुत्व
2. यथार्थता
3. परस्पर सहयोग
4. कर्मठता
5. निष्ठा
6. प्रयत्नशीलता

प्रश्न.13 प्रादेशिक भूगोल की विभिन्न शाखाएँ कौन सी है? बतलाइये!

उत्तर– प्रादेशिक उपागम पर आधारित प्रोदेशिक भूगोल की निम्न शाखाएँ हैंः–

क) प्रादेशिक / क्षेत्रीय अध्ययन

ख) प्रादेशिक नियोजन

ग) प्रादेशिक विकास

घ) प्रादेशिक विवेचना / विश्लेषण

प्रश्न.14 भूगोल किस प्रकार ऐतिहासिक घटनाओं को प्रभावित करता है? बतलाइये।

उत्तर– 1) दूरी – दूरी ने विश्व इतिहास को बदलने में एक प्रभावशाली कारक का काम

www.atpeducation.com

किया है।

2) क्षेत्रीय विस्तार – क्षेत्रीय विस्तार ने युद्ध के दौरान, विशेषकर पिछली शताब्दी में, अनेक देशों को सुरक्षा प्रदान की है।

3) विस्तृत समुद्र – विशाल समुद्र ने नये विश्व प्रदान कर उनकी भूमि को युद्ध से बचाया हैं।

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) –

प्रश्न.1 भूगोल सामाजिक व प्राकृतिक विज्ञानों से संबंध क्यों बनाता है? समझाइये।

उत्तर– भूगोल प्राकृतिक एवं समाजिक विज्ञानों के साथ घनिष्ठता से जुड़ा हुआ है। इसका अपना एक विधितंत्र एवं उपागम है, जो इसे अन्य विज्ञानों से अलग करता है।

भूगोल का दूसरे विषयों के साथ परासरणी (Osmotic) संबंध होता है, जबकि दूसरे विषयों का अपना निजी विषय क्षेत्र होता है।

भूगोल व्यष्टिपरक सूचनाओं के बहाव को अवरूद्ध नहीं करता, जैसे कि शरीर की कोशिका झिल्ली रक्त बहाब को अवरूद्ध नहीं करती।

भूगोलवेत्ता सहयोगी विषयों से प्राप्त सूचनाओं एवं आंकड़ो का इस्तेमाल करते हुए क्षेत्रीय संदर्भ में उनका संश्लेषण करता है।

मानचित्र जो भूगोलवेताओं का एक महत्वपूर्ण उपकरण है, क्षेत्रीय प्रतिरूप को दृश्यरूप में दर्शाता है।

प्रश्न 2. क्रमबद्ध और प्रादेशिक भूगोल में अन्तर स्पष्ट कीजिए?

अथवा

भूगोल की दो प्रमुख उपागमों का वर्णन कीजिए?

उत्तर : भूगोल की दो प्रमुख उपागम निम्नलिखित हे :–

(अ) क्रमबद्ध भूगोल :–

(1) क्रमबद्ध भूगोल में एक विशिष्ट भौगोलिक तत्व का अध्ययन किया जाता है।

(2) क्रमबद्ध विधि क्षेत्र का समाकलित (Integrated) रूप प्रस्तुत करती है।

(3) यह विधि राजनैतिक इकाइयों पर आधारित होता है।

www.atpeducation.com

(4) यह अध्ययन खोज व तथ्यों को प्रस्तुत करता है।

(5) इस अध्ययन में एक घटक जैसे जलवायु के आधार पर विभिन्न प्रकार तथा उप–प्रकार निश्चित किए जाते है।

(ब) प्रादेशिक भूगोल :–

(1) प्रादेशिक भूगोल में किसी एक प्रदेश का सभी भौगोलिक तत्वों के संदर्भ में एक इकाई के रूप में अध्ययन होता है।

(2) प्रादेशिक विधि एकाकी रूप प्रस्तुत करती है।

(3) यह विधि भौगोलिक इकाइयों पर आधारित होती है।

(4) यह अध्ययन किसी प्रदेश के वातावरण तथा मानव के बीच अंतर्संबंध प्रस्तुत करता है।

(5) इस अध्ययन में प्रदेशों का सीमाकंन किया जाता है। इसे प्रादेशीकरण कहते है।

प्रश्न 3. स्पष्ट कीजिए कि किस प्रकार भूगोल अन्य सामाजिक शास्त्रों से सम्बन्धित हैं। उचित उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : भूगोल की प्रमुख शाखा मानव भूगोल अन्य सामाजिक शास्त्र के विषयों जैसे इतिहास, अर्थशास्त्र , राजनीतिशास्त्र , समाजशास्त्र दर्शनशास्त्र , जनांकिकी आदि के साथ निकट का सम्बन्ध है। जो इस प्रकार है :–

(1) इतिहास तथा भूगोल का आपस में गहरा सम्बन्ध है क्योंकि ये दोनों विषय क्रमश : काल तथा स्थान के अध्ययन से सम्बन्धित है।

(2) राजनीतिशास्त्र के अध्ययन क्षेत्र में राज्य, क्षेत्र, जनसंख्या , प्रभुसत्ता आदि का विश्लेषण सम्मिलित है जबकि राजनीतिक भूगोल एक क्षेत्रीय इकाई के रूप राज्य तथा उसकी जनसंख्या के राजनीतिक व्यवहार का अध्ययन करता है।

(3) भूगोल की एक उपशाखा आर्थिक भूगोल तथा अर्थशास्त्र का घनिष्ट सम्बन्ध है। अर्थशास्त्र तथा आर्थिक भूगोल की विषय वस्तु में बहुत सी समानताएं पाई जाती है।

इसी प्रकार जनसंख्या भूगोल जंनाकिकी से समाजिक भूगोल समाजशास्त्र से तथा सांस्कृतिक भूगोल मानवशास्त्र से सम्बन्धित है।

www.atpeducation.com

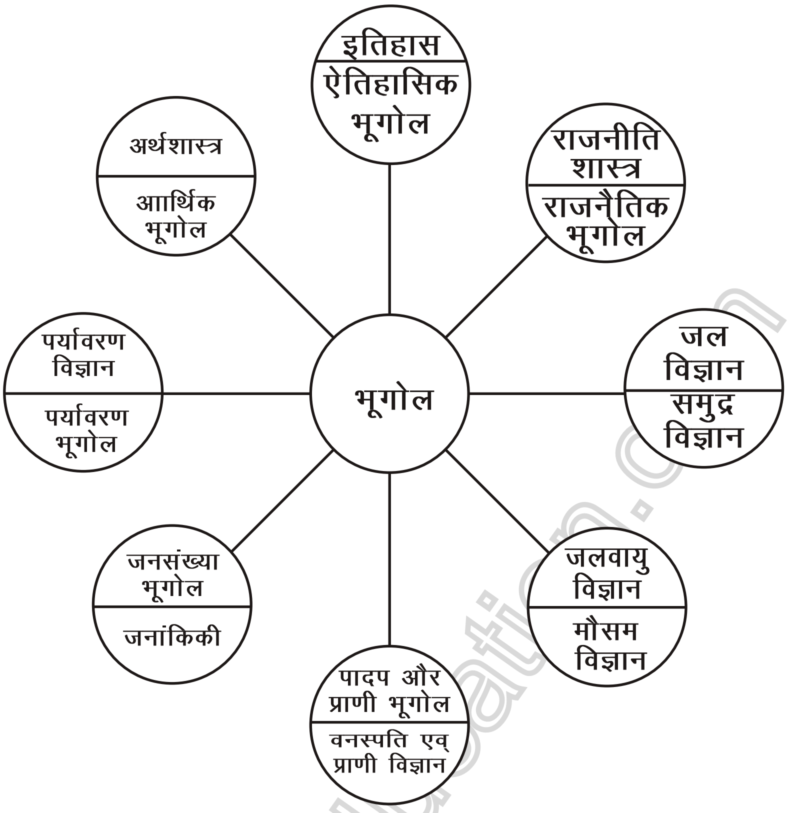

भूगोल का अन्य विषयों से संबंध

प्रश्न 4. किस आधार पर हम कह सकते है कि भूगोल एक वैज्ञानिक विषय है ?

अथवा

क्या ? कहाँ ? और क्यों ? वर्गों के प्रश्नों का वर्णन कीजिए जिनका उत्तर भूगोल देता है ?

उत्तर : भूगोल एक वैज्ञानिक विषय है। एक परिपक्व वैज्ञानिक विषय के रूप में भूगोल निम्नलिखित तीन वर्गों के प्रश्नों से संबंधित है :–

(1) क्या ? कुछ प्रश्न ऐसे होते है जो भूतल पर पाई जाने वाली प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक विशेषताओं के प्रतिरूप की पहचार से जुड़े हुए होते है , जो ' क्या ' प्रश्न का उत्तर देते है।

(2) कहाँ ? कुछ ऐसे भी प्रश्न होते हैं जो पृथ्वी पर भौतिक एवं सास्कृतिक तत्वों के वितरण से जुड़े हुए होते है, ये ' कहाँ ' प्रश्न से संबंद्ध होते है।

(3) क्यों ? प्रश्नों का तीसरा वर्ग व्याख्या अथवा तत्वों के बीच कार्य – कारण संबंध से जुड़ा होता है, जो क्यों का उत्तर देता है।

प्रश्न 5. भौतिक भूगोल की प्रमुख शाखाओं का वर्णन कीजिए ?

उत्तर : भौतिक भूगोल की निम्नलिखित चार प्रमुख शाखाएँ है :–

(1) **भू आकृतिक विज्ञान** :– भूपृष्ठ पर पाए जाने वाले विभिन्न प्रकार के भू – लक्षणो, जैसे महाद्वीपों , पर्वतों , पठारों , मैदानों , नदी , घाटियों आदि का जननिक अध्ययन है।

(2) **जलवायु विज्ञान** :– जलवायु तथा इसके संघटक तत्वों का क्रमबद्ध अध्ययन हैं। वर्षा , तापमान , वायुदाब , पवन , आंधी आदि जयवायु के मुख्य संघटक है।

(3) **जल विज्ञान** :– महसागरों , नदियों , झीलों , हिमानियों तथा जलवाष्प द्वारा प्रकृति तथा मानवजीवन में जल की भूमिका का अध्ययन है।

(4) **मृदा भूगोल** :– इसमें मृदा के निर्माण इसके प्रकार तथा इसके वितरण का अध्ययन किया जाता है।

प्रश्न 6. मानव भूगोल के अन्तर्गत कौन – कौन सी प्रमुख उपशाखाएं हैं ?

उत्तर : मानव भूगोल भूपृष्ठ पर मानवीय अथवा सांस्कृतिक तत्वों का अध्ययन करता है। घर, गांव, कस्बे , नगर , रेलवे , सड़के , पुल आदि मनुष्य द्वारा बनाए जाते है और मानवीय तत्व कहलाते है। मानव भूगोल बहुत ही विस्तृत विषय है और इसकी अनके शाखाएं निम्नलिखित है :–

(1) सांस्कृतिक भूगोल

(2) सामाजिक भूगोल

(3) जनसंख्या भूगोल

(4) नगरीय भूगोल

(5) ग्रामीण भूगोल

(6) आर्थिक भूगोल

(7) कृषि भूगोल

(8) औद्योगिक भूगोल

(9) राजनीतिक भूगोल

(10) व्यापार एवं परिवहन भूगोल

www.atpeducation.com

प्रश्न 7. भौतिक भूगोल अध्ययन का मानव जीवन के लिए क्या महत्व है ?

उत्तर : भौतिक भूगोल, भूगोल की एक महत्वपूर्ण शाखा है , क्योकि यह समस्त भूगोल के अध्ययन को ठोस आधार प्रदान करना है। भूगोल की यह सबसे महत्वपूर्ण तथा आधारभूत शाखा भूमंडल , वायुमंडल , जल मंडल तथा जैव मंडल के अध्ययन से संबंधित है। भौतिक भूगोल के इन सभी तत्वों (भू – आकृतियों,जल– प्रवाह,उच्चावच) का विशेष महत्व है क्योंकि मानव के क्रियाकलापों को प्रभावित करते है। उदाहरणतया मैदानों का प्रयोग कृषि के लिए किया जाता है। उपजाऊ मिट्टी कृषि को ठोस आधार प्रदान करती है। सभी मानवीय क्रियाकलाप भौतिक भूगोल की विभिन्न शाखाओं से प्रभावित होती है।

प्रश्न 8. भूगोल को क्षेत्रीय भिन्नता का अध्ययन मानना तार्किक हैं। तीन बिन्दुओं में इस की पुष्टि कीजिए ?

उत्तर :

1. भूगोल को उन सभी तत्वों का अध्ययन करना होता हे जो क्षेत्रीय सन्दर्भ में भिन्न होते हे।
2. भूगोल वेत्ता मात्र धरातल पर तथ्यों में विभिन्नता का अध्ययन ही नहीं करता बल्कि उन कारकों का भी अध्ययन करता है जो इन विभिन्नताओं को जन्म देते है।
3. उदाहरण के तौर पर फसल के स्वरूप में प्रादेशिक भिन्नताएं पाई जाती हैं , जो मिट्टी जलवायु , बाजार में मांग , किसानों की व्यय – क्षमता , तकनीकी निवेश की उपलब्धता आदि में भिन्नताओं से सम्बन्धित होती है। इस प्रकार भूगोल दो तत्वों के मध्य कार्य – कारण सम्बन्ध भी ज्ञात करता है।

प्रश्न 9. मानव और प्रकृति के अर्न्तसंबधों को तीन बिन्दुओं मे स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

1. मानव के अनुकूलन (Adaptation) तथा आपरिवर्तन (Modification) के माध्यम से प्रकृति के साथ समझौता किया है।
2. मानव के उच्च तकनीकी एवं प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग करके प्राकृतिक वातावरण में परिवर्तन किए है।
3. तकनीकी के क्रमश : विकास के साथ मानव अपने ऊपर भौतिक पर्यावरण के द्वारा कैसे हुए बंधन को ढीला करने में सक्षम हो गया है। तकनीकी ने श्रम की कठोरता को कमकर , श्रम – क्षमता को बढ़ाया तथा कार्य के दौरान अवकाश का प्रावधान किया।

www.atpeducation.com